हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 22 मार्च 2025, समय 1305 (5 मिनट)

आज विश्व जल दिवस पर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने हरियाणा के पंचकूला ताऊ देवी लाल स्टेडियम से देश व्यापी जल शक्ति अभियान: कैच द रेन - 2025 का शुभारंभ किया । यह अभियान जल शक्ति मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा हरियाणा सरकार के सहयोग से शुरू किया गया है इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा की सिंचाई और जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी और कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।यह अभियान जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जल चुनौतियों के मद्देनजर जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण के महत्व को रेखांकित करता है। यह पहल देश भर के 148 जिलों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।इस दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री और सिंचाई और जल संसाधन मंत्री के साथ जल संरक्षण पर कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करने वाली एक पेंटिंग और मूर्तिकला प्रदर्शनी का लोकार्पण किया। उन्होंने वैज्ञानिक जल संसाधन प्रबंधन में सहायता करने वाली 'मुख्यमंत्री जल संचय योजना' और हरियाणा के लिए जल संसाधन एटलस का ई-लॉन्च भी किया।

इस अवसर पर हरियाणा की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा :
उन्होंने हरियाणा में सामुदायिक स्वच्छता परिसर, तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, गोबर धन परियोजना और एक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शेड सहित अभिनव जल प्रबंधन परियोजनाओं का अनावरण भी किया गया ।इसके अलावा उन्होंने नदियों, झरनों और जंगलों के बीच पारिस्थितिकी संबंध को मजबूत करने वाले 'जल-जंगल-जन: एक प्राकृतिक बंधन अभियान' का शुभारंभ भी किया।इस अवसर पर प्रगतिशील किसानों, महिलाओं, जल उपयोगकर्ता संघों , उद्योगों और गैर सरकारी संगठनों को जल संरक्षण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता दोहराई। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक वीडियो साझा किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जल, सभ्यताओं की जीवन रेखा रहा है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करने की महति आवश्यकता है।

****

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने पश्चिमी कमांड अस्पताल में गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए स्वीकृति प्रदान की है।पीजीआई चंडीगढ़ के बाद अनुमोदन प्राप्त करने वाला यह दूसरा सार्वजनिक अस्पताल बन गया है। उन्होंने बताया कि यह मंजूरी हरियाणा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय-सह-राज्य समुचित प्राधिकरण द्वारा दी गई है , जो राज्य में अंग प्रत्यारोपण की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। मंत्री ने कहा कि इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं विशेषकर गुर्दा प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले रोगियों की सहायता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पहले से ही गुर्दा रोगियों के लिए सरकारी अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस सेवाएं प्रदान कर रही है।

****

खेलो इंडिया पैरा खेलों 2025 के दूसरे दिन के अंत तक, तमिलनाडु 9 स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष पर और हरियाणा 7 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने 5-5 स्वर्ण पदक हासिल किए।

****

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को फसल की खरीद के कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश निर्देश दिए हैं और यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो । कल यमुनानगर जिले के रादौर अनाज मंडी में सरसों की खरीद के शुभारंभ अवसर पर कृषि मंत्री ने चेतावनी दी कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी अपने काम में लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा है कि सरसों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रुपये प्रति क्विंटल पर की जा रही है। इस दौरान कृषि मंत्री ने अनाज मंडी में आढ़तियों से बातचीत कर सरसों उठान, पैकेजिंग की उपलब्धता और अन्य समस्याओं का जायजा लिया।कार्यक्रम के बाद कृषि मंत्री ने लाडवा और इंद्री अनाज मंडियों का भी दौरा किया और खरीद कार्यों का निरीक्षण किया।रादौर में मीडिया से बातचीत करते हुए श्याम सिंह राणा ने कहा कि बी जे पी सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान और उनकी आय दोगुनी करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।कृषि मंत्री ने किसानों से जल संरक्षण, फसल विविधीकरण अपनाने , पर्यावरण की रक्षा करने और पराली जलाने से बचने की अपील की। उन्होंने किसानों को जल-गहन फसलों की जगह मोटे अनाज अपनाने की सलाह दी और कहा कि सरकार इस संबंध में हर संभव सहायता प्रदान करेगी।कृषि मंत्री ने कहा की कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में उन किसानों को 8,000 रुपये प्रति एकड़ की अनुदान राशि देने का प्रावधान किया है, जो धान की खेती छोडक़र दूसरी फसलें उगाएंगे। इसके अलावा, धान की सीधी बुवाई के लिए दी जाने वाली सब्सिडी को भी 4,000 रुपये से बढ़ाकर 4,500 रुपये प्रति एकड़ कर दिया गया है।उन्होंने प्राकृतिक

खेती को बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने 2025-26 के बजट में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को 25,000 एकड़ से बढ़ाकर 1 लाख एकड़ तक करने का लक्ष्य रखा है। इस पद्धति से न केवल मानव स्वास्थ्य को रासायनिक मुक्त भोजन मिलेगा, बल्कि पशुओं के लिए पौष्टिक चारा भी उपलब्ध होगा और बीमारियों की दर में भी कमी आएगी।